

खबर संक्षेप

सुआ घोंपकर धमकी देने के मामले में दो गिरफ्तार
फतेहाबाद। पुरानी रंजिश के चलते एक दुकानदार के साथ मारपीट करने, सुए से हमला कर घायल करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमन पुत्र बसाऊ राम और सुनील पुत्र रामनिवास निवासी समैण के रूप में हुई है।

हिसार से नशे की मुख्य सप्लायर महिला काबू
फतेहाबाद। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ जारी कड़ी कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए एक प्रमुख महिला नशा सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई आरोपी महिला की पहचान सरवनी बाई पत्नी जसवंत सिंह, निवासी पीरावाली, हिसार के रूप में है। वह अब अग्रवाल कॉलोनी, हिसार में रहती है। इस मामले में पुलिस अब तक कुल तीन आरोपियों को दबोच चुकी है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस टीम ने बीते दिनों गुरुनानकपुरा मोहल्ला निवासी पूजा रानी को 30.64 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

हेरोइन सहित नशा तस्कर सौरव दबोचा
भूना। सीआईएफ फतेहाबाद पुलिस टीम ने भूना क्षेत्र में हेरोइन बेचने की फिराक में खड़े एक आरोपी को 10.26 ग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सौरव साई पुत्र सतपाल निवासी वार्ड नंबर 1, भूना के रूप में हुई है। सीआईएफ फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि सीआईएफ पुलिस टीम गश्त के दौरान क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी सौरव साई काफी समय से हेरोइन बेचने का अवैध कारोबार करता है और वह भूना-टोहाना रोड पर स्थित मार्केट कमेटी के शेड के नीचे ग्राहकों को हेरोइन सप्लाय करने की फिराक में खड़ा है। इस पर टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर दबिश दी और संदिग्ध अवस्था में खड़े युवक को काबू किया।

5 से हरियाणा रोडवेज का चक्का जाम

- मांगों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला

हरिभूमि न्यूज ►►सिरसा

हरियाणा रोडवेज यूनियनों ने अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सिरसा डिपो के नाथूसरी चौपटा पर बस स्टैंड पर हरियाणा की समस्त रोडवेज यूनियनों के सांझा मोर्चा की बैठक हुई, जिसमें दो अहम फैसलों पर मुहर लगी है। इसमें मुख्य रूप से 5 और 6 सितंबर को दो दिन तक रोजवेज बसों का चक्का जाम का करने का फैसला शामिल है। सांझा मोर्चा के प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा रोडवेज यूनियनों की तरफ से नाथूसरी



सिरसा। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए रोडवेज कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

चौपटा में सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि आगामी 26 अगस्त को सभी रोडवेज डिपूओं पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक सांकेतिक प्रदर्शन किया जाएगा और रोडवेज महाप्रबंधकों को मांगपत्र सौंपा जाएगा। उन्होंने बताया कि रोडवेज कर्मचारियों की मांगे लंबे समय से हैं, जिनको सरकार और परिवहन विभाग बार

बार टाल रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मुख्य मांगों में परिचालक के पद का पे ग्रेड बढ़ाया जाना व लिपिकों की तरह तीन वेतन वृद्धि प्रदान करने की है। साथ ही चालक व परिचालकों के खाली पड़े पदों पर नई भर्ती करने, तय सीमा में प्रमोशन देने की पॉलिसी बनाने, चालकों को हेली पे ग्रेड दिया देने सहित आदि मांगें शामिल है।

अवैध पानी-सीवरेज कनेक्शन कराएं वैध, नोटिस के बाद होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

जिले के फतेहाबाद, रतिया, टोहाना, भूना और जाखल शहरों में अवैध पेयजल एवं सीवरेज कनेक्शनों को वैध करवाने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। विभाग की टीम शहरों में कनेक्शनों की जांच कर रही है। जांच के दौरान अवैध कनेक्शन मिलने पर संबंधित उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नोटिस मिलने के बाद निर्धारित समय में कनेक्शन वैध नहीं करवाने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग के अधिकारी शर्मा चंद

लाली ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं को अवैध कनेक्शन के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं, वे बिना देरी किए अपने कनेक्शन को विभाग से मंजूर करवाएं। इसके लिए मकान की रजिस्ट्री, सोसायटी कार्ड अथवा कोई अन्य प्रॉपर्टी दस्तावेज, फैमिली आईडी, आधार कार्ड और कनेक्शन धारक का मकान के साथ फोटो आवश्यक होगा। कनेक्शन को वैध करवाने की फीस 1000 रुपए और सीवरेज कनेक्शन की फीस 500 रुपए निर्धारित की गई है। यदि कोई उपभोक्ता यह राशि एकमुश्त जमा नहीं करवाना चाहता तो भी कनेक्शन मंजूर करवाया जा सकता है।

तैयारी

लापरवाही बरतने वाले स्कूल प्रमुखों पर होगी सख्त कार्रवाई

10वीं की अर्धवार्षिक परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक पाने वाले विद्यार्थियों का सुपर-100 प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण जरूरी

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

सरकारी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को आईआईटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर लिए पेयजल कनेक्शन की फीस 1000 रुपए और सीवरेज कनेक्शन की फीस 500 रुपए निर्धारित की गई है। यदि कोई उपभोक्ता यह राशि एकमुश्त जमा नहीं करवाना चाहता तो भी कनेक्शन मंजूर करवाया जा सकता है।



गांव चिन्दड़ स्थित सरकारी स्कूल।

अनिवार्य होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पात्र विद्यार्थियों को परीक्षा से वंचित करने पर संबंधित स्कूल प्रमुख की जवाबदेही तय की जाएगी।

स्कूल मुखिया को देनी होगी लिखित घोषणा

विभाग के नए नियमों के अनुसार पात्र विद्यार्थियों का पंजीकरण करवाने की जिम्मेदारी संबंधित स्कूल प्रिंसिपल की होगी। स्कूल मुखिया को जिला शिक्षा अधिकारी के पास हस्ताक्षर और मुहर के साथ लिखित घोषणा पत्र देना होगा कि उनके विद्यालय के सभी पात्र विद्यार्थियों का पंजीकरण करवाया जा चुका है।

तीन स्तरों पर होगी चयन प्रक्रिया

सुपर-100 के लिए चयन प्रक्रिया तीन स्तरों में होगी। पहले स्तर पर विद्यार्थियों की वैचारिक समझ और योग्यता परखने के लिए वस्तुनिष्ठ परीक्षा होगी। इसमें सफल विद्यार्थी दूसरे स्तर की वर्णनात्मक परीक्षा में शामिल होंगे। दूसरे चरण के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए 1500 विद्यार्थियों को तीसरे और अंतिम चरण में शामिल किया जाएगा।

माता-पिता से मिलने का समय भी निर्धारित

आवासीय कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए अभिभावकों से मुलाकात का समय भी निर्धारित किया गया है। लड़कों और लड़कियों के लिए महीने के वैकल्पिक रविवार को पैरेंट्स-स्टूडेंट मीटिंग होगी। मुलाकात का समय सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रहेगा। सामान्य दिनों में आपात स्थिति को छोड़कर शाम 5 बजे के बाद ही मुलाकात की अनुमति होगी और इसके लिए पहले अपॉइंटमेंट लेना जरूरी होगा।

5 से 10 दिन का ब्रेक, जल्द जारी होगा कैलेंडर

कड़े अध्ययन कार्यक्रम के बीच विद्यार्थियों को परिवार के साथ समय बिताने और मानसिक रूप से तरोताजा होने के लिए समय-समय पर 5 से 10 दिनों की छुट्टियां दी जाएंगी। इन छुट्टियों का वार्षिक कैलेंडर जल्द जारी किया जाएगा। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों पर पढ़ाई का अनावश्यक मानसिक दबाव डाले बिना उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है।

सावन का अंतिम सोमवार आज, जलाभिषेक के लिए जिले के शिवालयों में पूरी हुई तैयारियां, सावन के अंतिम सोमवार पर मंदिरों में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

सावन माह का अंतिम सोमवार 24 अगस्त को मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूजा-अर्चना को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शहर के प्रमुख मंदिरों में सोमवार सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने की संभावना है। मंदिर समितियों की ओर से जलाभिषेक, कतारबद्ध दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन सोमवार को श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने से सुख-समृद्धि और मन की शांति प्राप्त होती है। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के मुख्य पुजारी

सोन्ू शर्मा ने बताया कि शिव पूजन में सबसे महत्वपूर्ण श्रद्धा और भक्ति है। श्रद्धालु अपनी परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार महादेव का पूजन कर सकते हैं। सोमवार को महिलाएं और पुरुष अपनी श्रद्धा के अनुसार व्रत भी रख सकते हैं। व्रत के दौरान फल, दूध, दही, मखाना, साबूदाना और सिंघाड़े के आटे से बने फलाहार का सेवन किया जा सकता है। भोजन में संधा नमक का प्रयोग करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार व्रत के दौरान अनाज, सामान्य नमक और नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। श्रद्धालुओं को अपनी-अपनी पारिवारिक एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार व्रत और पूजन करना चाहिए।

विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने से सुख-समृद्धि की होगी प्राप्ति

राशि अनुसार ऐसे करें शिव पूजन

- मेष शिवलिंग पर जल और लाल फूल अर्पित करें।
- वृषभ दूध से अभिषेक करें और सफेद फूल चढ़ाएं।
- मिथुन बेलपत्र और हरे फल अर्पित करना शुभ माना जाता है।
- कर्क दूध और जल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें।
- सिंह जल चढ़ाकर गुड़ का मोग लगाएं।
- कन्या बेलपत्र और दूर्वा अर्पित करें।
- तुला सफेद फूल और इत्र अर्पित करें।
- वृश्चिक जलाभिषेक के साथ महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- धनु पीले फूल और चने की दाल अर्पित करें।
- मकर तिल मिश्रित जल से अभिषेक करें।
- कुंभ बेलपत्र चढ़ाकर शिव मंत्रों का जाप करें।
- मीन दूध और जल से अभिषेक कर पीले फूल अर्पित करें।



फतेहाबाद। श्याम मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

सुबह स्नान से लेकर शाम की आरती तक करें पूजन

पंडित सोन्ू शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण कर भगवान शिव का ध्यान करना चाहिए। इसके बाद मंदिर जाकर शिवलिंग पर जल और दूध से अभिषेक करें। बेलपत्र, धतूरा, आक के पुष्प और सफेद फूल अर्पित किए जा सकते हैं। पूजन के दौरान 'ओम, नमः शिवाय' मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार रुद्धाभिषेक भी कर सकते हैं। शाम की भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त पूजा व आरती करें। व्रत रखने वाले श्रद्धालु आरती के बाद फलाहार लेकर अपनी परंपरा के अनुसार व्रत का पारण कर सकते हैं।

नए इंतकाल पोर्टल की खामियों समेत मांगों को लेकर जारी रहेगा प्रदर्शन

पटवारियों की हड़ताल से जमीन की रजिस्ट्री पर मंडराया संकट

इंतकाल से लेकर आय-जाति प्रमाण पत्र और भूमि पैमाइश तक के काम अटकें

हरिभूमि न्यूज ►►फतेहाबाद

पटवारी एवं कानूनगो की हड़ताल का असर अब जमीन की रजिस्ट्री पर भी पड़ने की आशंका है। नए इंतकाल पोर्टल की तकनीकी खामियों, डिजिटल क्रॉप सर्वे सहित अन्य मांगों को लेकर गुरुवार से शुरू हुई हड़ताल सोमवार को भी जारी रहेगी।

पटवारियों द्वारा राजस्व संबंधी जरूरी कार्य नहीं किए जाने के कारण जमीन की रजिस्ट्री से पहले होने वाली प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। ऐसे में सोमवार से जिले की तहसीलों में जमीन की खरीद-फरोख्त का काम भी रुकने की आशंका है।

शनिवार और रविवार को अवकाश होने के कारण रजिस्ट्री



फतेहाबाद। लघु सचिवालय भवन। फोटो: हरिभूमि

►► समाधान नहीं होने तक जारी रहेगा प्रदर्शन

द्वी रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के जिला प्रधान सुरेश पटवारी ने बताया कि मांगों को लेकर पहले सांकेतिक धरना दिया गया था। मांगों पर समाधान नहीं होने के कारण सोमवार से हड़ताल शुरू की गई है। एसोसिएशन

की प्रमुख मांगों में इंतकाल पोर्टल की तकनीकी कमियां दूर करना, डिजिटल क्रॉप सर्वे का काम बिजो एजेंसी से करवाना तथा लिखित भुगतान जारी करना शामिल है। उनका कहना है कि जब तक जायज मांगों का समाधान नहीं किया जाता, आंदोलन जारी रहेगा।

कार्य पर इसका असर सीमित रहा, लेकिन सोमवार को कार्यालय

तहसीलों में थमा जमीन कारोबार

जिले में फतेहाबाद के अलावा टोहाना, रतिया, भूना, जाखल और भट्ट तहसीलों में रोजाना करीब 150 जमीन की रजिस्ट्री होती है। प्रत्येक रजिस्ट्री पर औसतन करीब 30 हजार रुपए सरकारी फीस मांगें तो रजिस्ट्री कार्य प्रभावित होने पर सरकार को प्रतिदिन करीब 45 लाख रुपए के राजस्व का नुकसान

होने की आशंका है। वहीं जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों और प्रॉपर्टी डीलरों के सौदे अटकने से उन्हें भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। हड़ताल आगे बढ़ी तो इसका असर तहसीलों के राजस्व संग्रह के साथ-साथ जिले के प्रॉपर्टी कारोबार पर भी दिखाई देने लगेगा।

तीन दिन से राजस्व के जरूरी काम टप

पटवारी और कानूनगो के हड़ताल पर जाने से जिलेभर में इंतकाल, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, भूमि पैमाइश समेत राजस्व विभाग से जुड़े कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इन कार्यों के लिए लोगों को पटवारियों के स्तर पर रिपोर्ट और अन्य जरूरी प्रक्रिया पूरी करवानी होती है। काम अटकने से आम लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं विद्यार्थियों और युवाओं को आय व जाति प्रमाण पत्र नहीं मिलने से नौकरी के आवेदन और शिक्षण संस्थानों में दाखिले के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

खरीद-बिक्री करने वाले लोगों के साथ-साथ प्रॉपर्टी डीलरों और

सरकार के राजस्व पर भी सीधा असर पड़ेगा।

जिम की तारीख बढी, खिलाड़ी परेशान

■ गांव पन्नीवाला मोटा के पीएम श्री स्कूल राजकीय विद्यालय में विवाद

हरिभूमि न्यूज ►►ओढा

गांव पन्नीवाला मोटा के पीएम श्री स्कूल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ओपन जिम को लेकर चल रहा विवाद अब तक समाप्त नहीं हुआ है। जिम की रिपेयर करवाकर स्कूल के मैदान में स्थापित करने के लिए कुछ समय पहले पंचायत में चर्चा के बाद पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी द्वारा जिम को 10 अगस्त 2026 तक स्थापित करने का निर्णय

मानले की निष्पक्ष जांच की मांग

इस मामले को लेकर पिछले दिनों गांव के राकेश पटेल ने उपायुक्त सिरसा को लिखित शिकायत भी दी गई थी। शिकायत में जिम को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए अनिल कुमार कोच पर जिम बेचने का आरोप लगाया गया था। मामले की निष्पक्ष जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों ने बताया कि उस

लिया गया था। लेकिन निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद ग्रामीणों को पहले 20 अगस्त और उसके बाद 22 अगस्त की तारीख बताई गई थी। लेकिन 22 अगस्त भी बीत गई और जिम स्थापित नहीं हुई। अब 23 अगस्त की तारीख आ चुकी है, लेकिन आज तक भी जिम मौके पर स्थापित नहीं की गई है। लगतार

समय पंचायत में बैठक कर पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया और जिम स्थापित करने के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की गई थी, तो बार-बार तारीख क्यों बढ़ाई जा रही है। ग्रामीण अब प्रश्नचिन्ह से सवाल कर रहे हैं कि आखिर जिम कब स्थापित होगी और जिम के संबंध में लगाए जा रहे आरोपों की जांच होगी चाहिए।

तारीख बढ़ाए जाने से खिलाड़ियों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जिम को रिपेयरिंग के लिए भेजे जाने की बात कही जा रही थी, लेकिन उनका आरोप है कि जिम रिपेयरिंग नहीं करवाने के लिए कोच ही जिम्मेदार है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।



रक्षाबंधन का उपहार

खिडकी से आती सुबह की धूप उस मटमैली फ़ाइल पर लिखे अक्षरों को और भी उभार रही थी। संजय अपनी आँखें बंद किये वहीं सोफे पर बैठा था, कुछ क्षणों बाद उसने आँखें खोली और उस फ़ाइल को खोला, जिसमें अदालत की तारीख, संपत्ति के कागज और कुछ पुराने दस्तावेज़ थे। उसने एक-एक कर सारे कागज़ों को देखा और फिर फ़ाइल बंद कर दी।

उसकी नज़रें फिर सामने की दीवार पर टंगी घड़ी पर गईं, समय हो चला था उसे आज फिर अदालत जाना था। उसने कपड़े निकालने के लिए अलमारी खोली, तो हाथ अनायास ही सबसे ऊपर वाले खाने में रखे उस छोटे से पुराने डिब्बे तक पहुंच गए। उसे उठाया, तो उसके हाथ स्वतः ही कांप उठे। डिब्बा खोला तो अंदर रागिनी की बांधी हुई राखियां मुस्कुरा रही थीं। उसने कांपते हाथों से उन राखियों को छुआ, कुछ राखियों के रंग उतर चुके थे, कुछ के रेशम बिखरें थे, एक पुरानी राखी से सफ़ेद मोती धड़झड़ा कर नीचे गिरने लगे। वो झुका पर उन्हें थाम ना सका और मोती फर्श पर गिरकर बिखर गए। आंखें कुछ पल के लिए जैसे शून्य हो गईं और यादों ने जहन को घेर लिया।

“भैया, हाथ आगे करो।”

छोटी बहन रागिनी हर साल राखी बाँधते हुए इतनी गंभीर हो जाती थी जैसे कोई बहुत बड़ा संस्कार निभा रही हो, और फिर मिठाई से पहले अपना उपहार मांगती, “इस बार क्या लाए हो?”

संजय हँसकर कहता, “पहले राखी तो बाँधो।”

“नहीं। पहले बताओ।”

उन छोटी-छोटी बातों को याद करते हुए संजय के होंठों पर मुस्कान आई, लेकिन अगले ही पल वह मुस्कान बुझ गई। अदालत में प्रवेश करते हीं नजर सबसे पहले रागिनी पर पड़ी, उसने भी एक पल की नज़रें मिलायी और फिर ऐसे पलटी जैसे पहचानती हीं नहीं हो। यह वही अदालत थी, जहाँ पिछले तीन वर्षों से वह अपनी ही बहन के विरुद्ध खड़ा होता आया था। कभी जिस लड़की की छोटी-सी उंगली पकड़कर वह स्कूल छोड़ने जाता था, आज उसी के साथ उसके रिश्ते का फैसला कुछ कागज़ों और गवाहियों के बीच होना था। वो बहस आज भी उसके कानों में गूँजती थी, जिसने दोनों के रिश्तों के बीच खाई खींच दी थी।

“भैया, ये पापा का घर है, इसे बेचने का फैसला आप अकेले कैसे कर सकते हैं?”

तीन साल पहले रागिनी ने यही कहा था। संजय ने भी पलटकर कहा था, “मैं अकेले कहाँ कर रहा हूँ? पापा ने वसीयत में आधा हिस्सा मेरे नाम किया था।”

“और आधा मेरे नाम।”

“तो फिर समस्या क्या है?”

“समस्या यह है कि तुम घर बेचना चाहते हो और मैं नहीं।”

अगले दिन दोनों फिर अदालत पहुंचे। वकील और कागज़ तैयार थे और मामला भी तैयार था, लेकिन इस बार दोनों के बीच कोई मुकदमा नहीं था। संजय ने न्यायाधीश के सामने कहा, “हमने फैसला कर लिया है। घर नहीं बिकेगा।” रागिनी ने आगे कहा, “हम उसे वैसे ही रखेंगे, और पापा का कमरा बंद नहीं होगा।”



उस दिन के बाद बातचीत धीरे-धीरे बहस में, बहस आरोपों में और आरोप मुकदमे में बदल गए। पिता की मृत्यु के बाद जिस घर में दोनों को एक-दूसरे का सहारा बनना चाहिए था, वही घर दोनों के बीच दीवार बन गया था। वकील दस्तावेज़ देख रहे थे। न्यायाधीश ने पिछली सुनवाई की बातें पूछीं, और फिर कहा, “आपके पिता की मूल वसीयत मेरे सामने है। इसमें एक अतिरिक्त पन्ना भी संलग्न है। क्या दोनों पक्षों ने इसे पढ़ा है?”

दोनों ने एक-दूसरे की ओर देखा, और लगभग एक साथ कहा, “नहीं।”

न्यायाधीश ने वह पन्ना पढ़ने के लिए सामने रख दिया। वह उनके पिता की लिखावट थी। कुछ पंक्तियां पढ़ते ही संजय की उंगलियां कांपने लगीं। वसीयत में संपत्ति का बंटवारा तो स्पष्ट था, लेकिन अंत में एक शर्त लिखी थी, “मेरे जाने के बाद यदि मेरे बच्चों के बीच इस घर को लेकर विवाद हो, तो इस घर का अंतिम फैसला किसी वकील या अदालत में नहीं, दोनों भाई-बहन को आमने-सामने बैठकर करना होगा। दोनों एक-दूसरे की एक बात बिना टोके सुनेंगे। उसके बाद जो निर्णय दोनों मिलकर लें, वही मेरी अंतिम इच्छा मानी जाएगी।”

वो कमरा कुछ पलों के लिए मौन हो उठा और फिर न्यायाधीश ने दोनों को देखते हुए पूछा, “क्या आप दोनों तैयार हैं?”

संजय और रागिनी दोनों ने हामी में सिर हिला दिया। अदालत के बाहर एक छोटे से कमरे में दोनों एक-दूसरे के आमने सामने बैठे, और साथ हीं बैठी तीन साल की नाराजगी। संजय ने एक गहरी सांस ली और फिर कहा,

“पहले तुम बोलो।”

रागिनी कुछ पल चुप बैठी रही और फिर उसने कहा, “मुझे घर नहीं चाहिए, भैया।”

संजय ने चौंकते हुए कहा, “फिर?”

“मुझे वो घर चाहिए था जिसमें पापा थे।”

संजय की आंखें झुक गईं। रागिनी ने आगे कहा, “जब आपने घर बेचने की बात की, मुझे लगा आप पापा की आखिरी निशानी भी बेच देना चाहते हैं। मुझे लगा आपको उस घर से कोई लगाव नहीं रहा।”

संजय ने पहली बार उसकी ओर देखा, “और मुझे लगा,” उसने धीरे से कहा, “कि तुम्हें घर चाहिए था, भाई नहीं।”

रागिनी की आंखों में आंसू आ गए, “मैंने ऐसा कब कहा?”

“तुमने नहीं कहा, पर मैंने समझ लिया।”

दोनों कुछ देर चुप रहे। फिर संजय ने कहा, “मैं घर इसलिए बेचना चाहता था क्योंकि पापा के इलाज में जो कर्ज हुआ था, उसे चुकाना था। बैंक वाले लगातार फोन कर रहे थे। मैं तुम्हें बताना चाहता था, लेकिन?”

“तुम पहले से पापा को खोने के दुख में थीं। मुझे लगा तुम्हें और परेशान नहीं करूँ।”

रागिनी ने सिर उठाया, “और मैंने समझा कि तुम पैसे के लिए घर बेचना चाहते हो।”

दोनों को अचानक एहसास हुआ कि तीन साल की लड़ाई किसी बड़े विश्वासघात की वजह से नहीं, बल्कि दो अधूरी बातों की वजह से थी।

कवि कॉर्नर

कविता

डॉ. कमलेश मलिक



इस बार सावन

कैसा है निगोड़ा सावन
बादल यूँ बरसे तालाब बना आँगन
सदियों से घरसे च्यासा यह तन मन

घुमड़- घुमड़ बदरा नभ में धिर जाता
उकँठित होकर ज्यों धरती को तकता
धूमिल सी चुनरी को एक और सरका
प्रलयस्तित होकर वह झरना सा झरता

गगन और वसुधा का कैसा आकर्षण
आत्मसात होकर क्यों माया-मन-बंधन
कैसा है निगोड़ा

सावन पात-पात खिल जाता शाखा झटलाती
रोमांचित हो- हो कर आँवल लहराती सुंदर
पंख उठा कर मोर धिरकने लगते
बरखा सरगम सी रिमझिम रिमझिम गाती

विद्युत छटा निराली बहार बही मनमग्न
रोके ना रुके चित्त- चोर हुआ यह सावन
कैसा है निगोड़ा सावन

दोहे

भूपसिंह 'भारती'



रक्षाबंधन

राखी बाँधू बीर को, तिलक लगाऊँ माथ।
रक्षा मेरी सदा करे, देकर मेरा साथ॥

राखी का त्योहार है, सावन की सौगात।
कच्चा धागा प्रेम का, बहना बांधे भात॥

बहन भाई सदा करे, आपस में सम्मान।
भाई के दिल में रहे, बहना की ये जान॥

स्नेह, त्याग, अनुराग के, भाव भरे भरपूर।
बहना की राखी करे, वैरभाव को दूर॥

सावन की सौगात है, राखी के ये रँग।
रक्षाबंधन मन रहा, सदा प्रेम के रँग॥

सदा सावणी पूर्णिमा, आता ये त्योहार।
बांध पोंहती हाथ में, बहना करे दुलार॥

धागा बांधे प्रेम का, बहना भैया हाथ।
पानी पीया वार कर, किया अरता साथ॥

बाँधा कच्चा सूत है, भैया रखना लाज।
बंधन है ये नेह का, इस पर करना गाज॥

बहना मेरी लाटली, खूब गजब अंदाज।
सदा निमाऊँ शान से, राखी की मैं लाज॥

राखी तो विश्वास का, हो न्यारा त्योहार।
सदा कलाई पर सजे, बहना का ये प्यार॥

फेरों के बिना शादी और सबूत बिन सजा अधूरी

व्यंग्य आसिम अनमोल

हमारे देश भारत में सबूत घूमता-फिरता बहुत है लेकिन आसानी से किसी के हथ्ये नहीं चढ़ता। जैसे फेरों के बिना शादी अधूरी। ठीक वैसे ही सबूत के बिना सजा अधूरी। अब पुलिस वालों को थोड़ा सोचना चाहिए कि इतने वर्षों में हमारे देश की आम जनता ने देश की सियासत के प्रति अपने दिलों में ढेरों अविश्वास इकट्ठा करके दिखा दिया, पर तुम एक सबूत इकट्ठा नहीं कर पाए। हमारी पुलिस भले ही सबूत इकट्ठा न कर पाए, परन्तु लोगों की भौड़ बड़ी खूबसूरती से डंडा फटकार-फटकार के इकट्ठा कर लेती है। लोगों की आनन-फानन की गवाही में ही सबूत को ढूँढ़ने और खखोड़ने का एक नायाब प्रयास करती है। असली सबूत न जाने कहां मटरगश्ती कर रहा होता है।

उल्लेखनीय है कि अगर सबूत ही इकट्ठा होने शुरू हो जाएंगे तो देश की अदालतों में बिना सबूत के सैकड़ों मामले पोंडिंग के रूप में अदालतों की शोभा कैसे बढ़ाएंगे? पुलिस का धन्यवाद प्रकट करना चाहिए कि आप सबूत का इतना उम्दा ख्याल रखते हैं कि बड़ी-बड़ी अदालतें तक सबूत की शकलों-सूरत को देखने के लिए

हर समय तरसती रहती हैं। जैसे विगत वर्षों में अनेक केसों में सबूत के लिए अदालतें तरसती रही हैं। पुलिस को गौर करना चाहिए कि सरकार तनखाह आपको सबूत इकट्ठा करने की देती है। घटनास्थल से खाली हाथ आने की नहीं। सबूत अगर आपको नहीं मिल रहा है तो सबूत का आप पता ढूँढ़िए। थोड़ी देर के लिए पोस्टमैन बन जाएं। मिलने

जब हम अपनी जीप लेकर पहुंचते तो तुम घटना स्थल पर हमको नज़र आ जाया करो। हमारी जान में जान आ जाएगी। तुम समझते क्यों नहीं कि तुम ही तो हादसे की ताकत हो। तुम्ही तो पहचान हो, अदालतों का सहारा हो।

पहुंचते तो हैं। तुम न जाने उस समय कहाँ खिसक लेते हो। जब हम अपनी जीप लेकर पहुंचा करें तो तुम घटना स्थल पर हमको नज़र आ जाया करो। हमारी जान में जान आ जाएगी। तुम समझते क्यों नहीं कि तुम ही तो हादसे की ताकत हो। तुम्ही तो पहचान हो। अदालतों का सहारा हो। बस तुम सामने आ जाया करो। सब समस्या हल हो जाया करेगी।

मोटिवेशनल

रुकना नहीं है : युवाओं के लिए सफलता का नया मंत्र

आज का युवा एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ अवसरों की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनौतियों भी पहले से कहीं अधिक हैं। हाथ में स्मार्टफोन है, दुनिया की जानकारी एक क्लिक पर है, नई तकनीकें तेजी से बदल रही हैं, लेकिन दूसरी ओर रोजगार की कितनी, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और भविष्य को लेकर असमंजस भी युवाओं के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं। भारत की युवा शक्ति विशाल है, लेकिन शिक्षा से रोजगार तक का सफर अभी भी अनेक युवाओं के लिए कठिन बना हुआ है।ऐसे समय में सबसे बड़ी जरूरत है, निराश होने की नहीं, स्वयं को बदलते समय के अनुसार तैयार करने की।आज केवल डिग्री प्राप्त कर लेना सफलता की गारंटी नहीं है। बदलती दुनिया में ज्ञान के साथ कौशल, संवाद क्षमता, समस्या समाधान, रचनात्मकता और नई तकनीकों को सीखने की इच्छा भी उतनी ही आवश्यक हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें काम करने के तरीके बदल रही हैं और अनुकूलन की क्षमता भविष्य की महत्वपूर्ण ताकत बनती जा रही है।लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि तकनीक कभी मेहनत, सोच और मानवीय संवेदनाओं का विकल्प नहीं बन सकती। जो युवा नई तकनीक को अपना सहयोगी बनाकर अपनी क्षमताओं को बेहतर करेगा, वही आने वाले समय में आगे बढ़ेगा।आज सोशल मीडिया पर हमें दूसरों की सफलता दिखाई देती है, लेकिन उनकी असफलताओं और संघर्षों की कहानी अक्सर दिखाई नहीं देती। किसी की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना बंद करना होगा। हर व्यक्ति की यात्रा, परिस्थितियाँ और मंजिल अलग होती है। तुलना यदि करनी है तो कल के अपने आप से कीजिए।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल
स्पीकर

राखी बाँधू बीर को, तिलक लगाऊँ माथ।
रक्षा मेरी सदा करे, देकर मेरा साथ॥

राखी का त्योहार है, सावन की सौगात।
कच्चा धागा प्रेम का, बहना बांधे भात॥

बहन भाई सदा करे, आपस में सम्मान।
भाई के दिल में रहे, बहना की ये जान॥

स्नेह, त्याग, अनुराग के, भाव भरे भरपूर।
बहना की राखी करे, वैरभाव को दूर॥

सावन की सौगात है, राखी के ये रँग।
रक्षाबंधन मन रहा, सदा प्रेम के रँग॥

सदा सावणी पूर्णिमा, आता ये त्योहार।
बांध पोंहती हाथ में, बहना करे दुलार॥

धागा बांधे प्रेम का, बहना भैया हाथ।
पानी पीया वार कर, किया अरता साथ॥

बाँधा कच्चा सूत है, भैया रखना लाज।
बंधन है ये नेह का, इस पर करना गाज॥

बहना मेरी लाटली, खूब गजब अंदाज।
सदा निमाऊँ शान से, राखी की मैं लाज॥

राखी तो विश्वास का, हो न्यारा त्योहार।
सदा कलाई पर सजे, बहना का ये प्यार॥

लघु कथा

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर गुप्ता जी बहन के घर पहुंचे। भोजन के बाद संगीत की महफिल जम गई।

उन्होंने अपनी नई वाजलें सुनाई। खूब वाह-वाह हुई।

तभी छोटी बहन बबली मुस्कुराकर बोली, 'भैया, वाजले बहुत सुंदर हैं... पर उन्हें

मी तो सुनाओ, जो तुम्हारी वाजलों की असली प्रेरणा हैं।' 'अरे, बबली, तेरी भाभी को फुर्सत ही कहा है।' गुप्ता जी हसकर बोले।

बबली की मुस्कान गंभीर हो गई।

'फुर्सत मिले भी तो कैसे? छोटे बच्चे, घर, बाहर के काम, रिश्तेदारियां... सब भाभी संभालती हैं और तुम ? बैंक, टीवी और वाजल। कभी उनके हिस्से का थोड़ा-सा जीवन भी

जीकर देखो, शायद तुम्हारी वाजलों में और भी सच्चाई

उतर आए।'

पहली बार महफिल में सन्नाटा छा गया।

घर लौटते ही गुप्ता जी ने कहा, 'रीना, आज से बैंक, बाजार, बिल और बाहर के सारे काम मैं देखूंगा, तुम घर और बच्चे देखो।'

रीना ने उनकी ओर देखा पर विश्वास नहीं कर पाई।

लेकिन गुप्ता जी ने सोच लिया था। इस बार इरादा सच निकला। धीरे-धीरे घर का बोझ हट गया। घर में सुकून गहराने लगा। रीना के चेहरे पर बरसों बाद खाली समय की मुस्कान लौट आई। एक शाम गुप्ता जी अपनी नई वाजल रीना को सुना रहे थे और रीना मुस्कुरा रही थी।

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी के बाद करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं
मोटिवेशनल स्पीकर

मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट डॉक्टरों को सटीक एवं समयबद्ध जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराकर उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बनते हैं।

विशेषज्ञताएं

- विलिकल पेशोलॉजी
- विलिकल बायोकेमिस्ट्री
- माइक्रोबायोलॉजी
- हेमेटोलॉजी
- हिस्टोपैथोलॉजी व साइटोलॉजी
- ब्लड बैंक एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन
- मोलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स
- इम्यूनोलॉजी एवं सीरोलॉजी
- विलिकल रिसर्च एवं ट्रायल्स
- क्वालिटी कंट्रोल एवं लैब मैनेजमेंट

इन विशेषज्ञताओं का उपयोग मल्टीस्पेशियलिटी में उपयुक्त स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, डायग्नोस्टिक चेन, मेडिकल रिसर्च संस्थानों, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, ब्लड बैंकों में किया जाता है।

आवश्यक कौशल

- आधुनिक लैब उपकरणों का संचालन एवं रखरखाव
- सैफ़्ट कलेक्शन एवं प्रोसेसिंग तकनीकें
- गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन
- प्रयोगशाला सुरक्षा व बायोसेफ्टी प्रोटोकॉल
- रिपोर्ट विश्लेषण एवं डेटा प्रबंधन
- कंप्यूटर एवं लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम

निजी क्षेत्र में विकल्प

■ स्वास्थ्य सेवाओं एवं डायग्नोस्टिक उद्योग के तेजी से विस्तार के कारण मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

आय-सीमा (निजी क्षेत्र)

■ फ्रेशर: लगभग 2.8–5.5 लाख वार्षिक (संस्थान, शहर एवं कौशल पर निर्भर)

■ अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 6–12 लाख वार्षिक, बड़े कॉर्पोरेट हॉस्पिटल्स एवं राष्ट्रीय डायग्नोस्टिक चेन में अधिक अवसर संभव हैं।

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों तथा अनुसंधान संस्थानों में भी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट की माना निरंतर बढ़ी रहती है।

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र)

■ फ्रेशर: लगभग 3–6 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)

■ अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग 7–12 लाख वार्षिक, वरिष्ठ तकनीकी एवं प्रशासनिक पदों पर अतिरिक्त अवसर उपलब्ध हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप Career Jaano पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

संस्कृत भाषा हमारी जड़ों को करती मजबूत: शर्मा
सिरसा। संस्कृत भारती द्वारा रेलवे रोड स्थित योगाश्रम में आयोजित 10 दिवसीय निशुल्क संस्कृत संभाषण शिविर के तीसरे दिन शिक्षार्थियों में गहरा उत्साह बना रहा। प्रो. पंकज शर्मा ने कहा कि संस्कृत भाषा हमारी जड़ों को मजबूत करती है और इसे सरल माध्यम से सीखना हर नागरिक के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि संस्कृत संभाषण के ऐसे आयोजन जन-जन तक हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा को पहुंचाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। शिविर में शिक्षार्थियों को व्यवहारिक एवं सरल विधि से संस्कृत बोलना सिखाया गया।

गोशाला से सामान चोरी करने का आरोपी काबू फतेहाबाद। थाना जाखल पुलिस ने श्री कृष्ण गोशाला में हुई चोरी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए मामले में सलिपट दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जगसीर उर्फ सिरा पुत्र देशराज निवासी बाजीगर बस्ती, जाखल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मामले में एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि 26 जुलाई को श्री कृष्ण गोशाला, जाखल मंडी के संचालक अशोक कुमार ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी।

एमए पंजाबी द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम रहा शत-प्रतिशत रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पंजाबी विभाग के विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परचम लहराते हुए महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। सीडीएल्यू सिरसा द्वारा जारी एमए पंजाबी के द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में महाविद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा घोषित परिणाम में महाविद्यालय की रिमिमी कौर एवं सतबीर कौर ने संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया है। वहीं मनप्रीत कौर ने द्वितीय तथा अनीता ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुमित्रा सांगवान ने उत्कृष्ट प्रदर्शनों करने वाली छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्या ने कहा कि यह उपलब्धि साबित करती है कि महाविद्यालय अपने उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हेरोइन सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईएफ रतिया पुलिस टीम ने गश्त के दौरान बाइक सवार दो युवकों को 7.53 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। इसके बाद आरोपियों से की गई कड़ाई से पूछताछ के आधार पर नशीला पदार्थ स्पनाई करने वाले मुख्य सत्यापन को भी गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में पकड़े गए तीनों आरोपियों को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। सीआईएफ रतिया के प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम व मादक पदार्थों की चेंकिंग के सिलसिले में बड़ी नहर लाली रोड क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान कारवाई की गई।

एचआईवी जागरूकता विजय में छात्राओं ने मारी बाजी

सिरसा। शहर के आरके सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय एचआईवी-एड्स जागरूकता विजय प्रतियोगिता में शाह सतनाम जी गल्स स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। कक्षा 11वीं मैडिकल की छात्रा गुरकीरत कौर और कक्षा 8वीं की छात्रा गुरहमत संधू की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त कर विश्वारव्य का नाम रोशन किया। विजेता टीम को दो हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में सरकारी और निजी स्कूलों की 55 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी शामिल थे। शाह सतनाम जी गल्स स्कूल की ओर से भी तीन टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिनमें गुरकीरत कौर और गुरहमत संधू की टीम ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

पंजीकरण के साथ डिजिटल क्रॉप सर्वे को लक्ष्य के अनुसार पूरा करने के निर्देश

एग्रीस्टैक से किसानों को योजनाओं का मिलेगा सटीक व पारदर्शी लाभ : डीसी

लघु सचिवालय में अधिकारियों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज फतेहाबाद

किसान रजिस्ट्री यानि एग्रीस्टैक किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ सटीक, पारदर्शी और लीकेज-मुक्त तरीके से पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, इसलिए जिला में किसानों के पंजीकरण कार्य में तेजी लाई जाए और निर्धारित लक्ष्य के अनुसार गांवों को कवर करते हुए अधिक से अधिक किसानों का ओटीपी आधारित आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश डीसी डॉ. निवेक भारती ने रविवार को लघु सचिवालय के सभागार में कृषि, राजस्व, पंचायत तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ किसान रजिस्ट्री, डिजिटल क्रॉप सर्वे



फतेहाबाद। किसान रजिस्ट्री को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते डीसी।

किसान रजिस्ट्री की नियमित मॉनिटरिंग

डीसी ने कहा कि प्रत्येक तहसील में किसान रजिस्ट्री के कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। प्रतिदिन अधिक से अधिक गांवों को कवर करते हुए किसानों का पंजीकरण करवाया जाए। कृषि एवं राजस्व विभाग की टीम फील्ड में जाकर किसानों को पंजीकरण की प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में जागरूक करें तथा निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से भूमि एवं फसल संबंधी सत्यापित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होने से किसानों को ऋण, बीमा, सब्सिडी तथा अन्य कृषि सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। पीएम-किसान जैसी योजनाओं के तहत डीबीटी के माध्यम से लाभ सीधे पात्र किसानों के बैंक खातों तक पहुंचाने में भी यह व्यवस्था सहायक होगी।

और राजस्व संबंधी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक की पीएम-किसान सहित विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके माध्यम

से किसानों की पहचान, भूमि रिकॉर्ड, फसल विवरण सहित आवश्यक जानकारी का डिजिटल एवं सत्यापित रिकॉर्ड तैयार होगा। इससे पात्र किसानों तक सरकारी योजनाओं का लाभ

लंबित न रहे न्यूटेशन का कार्य

डीसी ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यूटेशन के लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया जाए। उन्होंने तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि न्यूटेशन का कोई भी कार्य दो दिन से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए और अनावश्यक देरी पात्र जाने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी तय करें।

फोटो : हरिभूमि

सत्यापित डिजिटल रिकॉर्ड से मिलेगी सुविधाएं

डीसी ने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से प्रत्येक पंजीकृत किसान को आधार, भूमि रिकॉर्ड और फसल विवरण से जुड़ी यूनिक डिजिटल किसान पहचान उपलब्ध होगी। सत्यापित रिकॉर्ड से किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि ऋण, फसल बीमा और सब्सिडी जैसी सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होने से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी और पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक के माध्यम से मौसम, मिट्टी, फसल और बाजार संबंधी जानकारी को एकीकृत करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इससे किसानों को बुवाई, सिंचाई, कटाई और फसल बिक्री से जुड़े बेहतर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। बैठक में टोहना एसडीएम आकाश शर्मा, फतेहाबाद एसडीएम राजेश कुमार, रतिया एसडीएम सुरेंद्र सिंह, जिला राजस्व अधिकारी श्याम लाल, डीडीपीओ अनुप सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक विनोद फोगट, डीआईओ सिकंदर सहित कृषि, राजस्व, पंचायत एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी और बार-बार दस्तावेज जमा

करने की आवश्यकता भी कम होगी।

महंगाई से जनता बेहाल, माषण छोड़ दोस कदम उठाए सरकार : आइसा

रतिया। डॉ. बंडू इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष रवि रतिया ने लगातार बढ़ती महंगाई और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में ही रही वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की आम जनता पहले ही आर्थिक तंगी और महंगाई की



बेहरी मार झेल रही है, ऐसे में खाद्य पदार्थों के लगातार बढ़ते दाम उनके जखमों पर नमक छिड़कने जैसा काम कर रहे हैं। रवि रतिया ने विशेष रूप से चीन की बढ़ती कीमतों पर चिंत व्यक्त करते हुए कहा कि चीन जैसी मूलभूत आवश्यकता की वस्तु के दाम बढ़ने से आम और गरीब परिवारों के घरेलू बजट का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया है।

ब्राह्मण कल्याण आयोग बनाने की घोषणा लागू करे हरियाणा सरकार: पिचौलिया

हरिभूमि न्यूज सिरसा

ब्राह्मण समाज की बैठक ब्राह्मण धर्मशाला बेगु रोड में हुई। हरियाणा ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष जिले सिंह पिचौलिया ने आगामी रूपरेखा का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज की मुख्य मांग ब्राह्मण कल्याण आयोग का गठन करने व भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव दिवस को सरकारी तौर पर मनाने की घोषणा मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 14 दिसंबर 2024 को अपने मुख्यमंत्री बनने पर की थी, लेकिन अभी तक न तो ब्राह्मण कल्याण आयोग बना और न ही अन्य महापुरुषों की भांति भगवान श्री परशुराम का प्रकटोत्सव दिवस मनाया जा रहा, जिससे ब्राह्मण



सिरसा। ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष जिले सिंह पिचौलिया के साथ समाज के लोग।

समाज में काफी रोष है। उन्होंने बताया कि अपनी मांगों को मनवाने के लिए राज्य स्तर का 151 सदस्यों का शिष्टमंडल शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिलेगा। पिचौलिया ने बताया कि महासभा ने फैसला लिया है कि हरियाणा का ब्राह्मण अपनी दशा व दिशा तय करने तथा आगामी कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए नवंबर-2026 में एक विशाल ब्राह्मण महासम्मेलन करेगा जिसमें

पूरे हरियाणा व भारत भर से लाखों की संख्या में ब्राह्मण भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए राज्य स्तर पर 151, सदस्यों का मंडल स्तर पर 51, जिला स्तर पर 31, ब्लॉक स्तर पर 21 सदस्यों तथा गांव स्तर पर व वार्ड स्तर तक 11-11 सदस्यों को लेकर 60 हजार सदस्यों का विशाल संगठन खड़ा किया जाएगा।

बाइपास स्थित खेल ग्राउंड में युवा प्रतिभाओं को तराशने के लिए प्रतियोगिता

लड़कों में कर्ण-गुरनूर व लड़कियों में प्रीत व पूजा चमकी



रतिया। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

फोटो : हरिभूमि

व गुरनूर मंडेर तथा लड़कियों के वर्ग में प्रीत कौर व पूजा वर्मा ने विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब अपने



फतेहाबाद। विद्यार्थियों को संबोधित करते नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद के इंचार्ज उप

नशा पीड़ितों की काउंसलिंग के लिए चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा नशे के खाम्बे और आमजन को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीमों ने जिला भर में अभियान को तेज कर दिया है। नशा पीड़ितों को दलदल से बाहर निकालने और आमजन को इसके दुष्परिणामों से सतर्क करने के उद्देश्य से पुलिस टीमों ने गांव दरियापुर, हरिपुरा तथा उपमंडल टोहना के विभिन्न वार्डों में व्यापक जन-संपर्क अभियान चलाया। नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद के इंचार्ज उप निरीक्षक सुंदर लाल के नेतृत्व में पुलिस टीम गांव दरियापुर व हरिपुरा पहुंची। टीम ने वहां उपचाराधीन नशा पीड़ितों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना और फॉलोअप रिपोर्ट तैयार की। इस दौरान परिजनों की भी काउंसलिंग की गई। एसआई सुंदर लाल ने परिजनों को समझाया कि किसी भी व्यक्ति को नशे की लत से उबारने के लिए परिवार का सहयोग, घर में सकारात्मक

उपचार के लिए किया प्ररित

दूसरी ओर, सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार की अगुवाई में नशा मुक्ति टीम ने टोहना के वार्ड नंबर 2, राजनगर, इंदिरा कॉलोनी और प्रेम नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में डोर-टू-डोर जाकर नशा पीड़ितों से मुलाकात की। टीम ने देखा कि कुछ पीड़ित दवाइयां लेने के बावजूद पूरी तरह ठीक नहीं हो पाए हैं, उन्हें देबारा नागरिक अस्पताल के नशा मुक्ति केंद्र से उपचार शुरू करवाने और नियमित परामर्श लेने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने आमजन को सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध मुफ्त इलाज व सुविधाओं की जानकारी भी दी।

माहौल और नियमित चिकित्सकीय उपचार बेहद जरूरी है। अभियान के तहत दरियापुर स्थित आदर्श स्कूल में एक जागरूकता सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

भेदभाव मिटाकर समरस समाज का निर्माण ही गुरु रविदास को सच्ची श्रद्धांजलि : बराला

पिरथला में धूमधाम से निकाली गई गुरु रविदास कलश वंदन यात्रा, बराला ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज फतेहाबाद



फतेहाबाद। कलश वंदन यात्रा में भाग लेते सांसद सुभाष बराला।

उन्होंने ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं को गुरु जी के समानता, सेवा, भाईचारे एवं अखंड मानवता के संदेश को अपने जीवन में धारण करने का आह्वान किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास

जी महाराज किसी एक समाज या वर्ग विशेष के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के संत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त जात-पात, छुआछूत और ऊंच-नीच की कुरीतियों का कड़ा विरोध करते हुए एक समरस और भेदभाव-मुक्त समाज की नींव रखी।

राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह



हरिभूमि न्यूज टोहना

भारत विकास परिषद, शाखा टोहना द्वारा राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता दो वर्गों हिंदी राष्ट्रीय समूहगान और संस्कृत समूहगान में आयोजित की गई। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, संस्कार एवं भारतीय

संस्कृति के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। बराला ने कहा कि समूहगान जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और देश के प्रति समर्पण की भावना को भी विकसित करती हैं। राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत गीतों के माध्यम से नई पीढ़ी को देश की महान सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों से जुड़ने का अवसर मिलता है।

ये रहा परिणाम

शॉटपुट में हरविन्द सिंह प्रथम, गुरनूर मंडेर द्वितीय, विक्की सिंह तृतीय, आयुष्मान चतुर्थ, लॉन्ग जंप में कर्ण सराओ प्रथम, दीक्षांत द्वितीय, हिमांशु कम्बोज तृतीय, कबीर बोला चतुर्थ तथा 400 मीटर बाधा दौड़ में गुरनूर खंडेर प्रथम, दक्ष द्वितीय, गुरफतह सिंह तृतीय, जुह्मर सिंह चतुर्थ रहे। ओपन वर्ग लड़कियों में 5 किलोमीटर वॉक रेस में प्रीत कौर प्रथम, खुशदीप कौर द्वितीय, पूजा वर्मा तृतीय, अस्मिता चतुर्थ, 1500 मीटर रेस में रुक्मीत कौर प्रथम, पलक द्वितीय, बख्शनूर तृतीय, हरप्रीत कौर चतुर्थ, लॉन्ग जंप में रमनदीप कौर प्रथम, गीता द्वितीय, राजवीर कौर तृतीय, अंजली चतुर्थ, शॉटपुट में प्रीत कौर प्रथम, पूजा द्वितीय, भावना तृतीय, वीरपाल कौर चतुर्थ तथा 400 मीटर बाधा दौड़ में पूजा प्रथम, यशिका गोयल द्वितीय, गुरलीन तृतीय, विशाली चतुर्थ रहे।

1500 मीटर रेस में पवन कुमार प्रथम, बगु सिंह द्वितीय, निशान सिंह तृतीय, गुरवित सिंह चतुर्थ, 800 मीटर रेस में

मनिन्द्र सिंह प्रथम, सहज चौहान द्वितीय, युवराज सिंह तृतीय, शंभू चतुर्थ रहा।

पूजा का खेल समर उपलब्धितो से भरा रहा है। वर्ष 2018-19 में वड़ोद्वारा में आयोजित 15वीं नेशनल यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने राष्ट्रीय पदचान बनाई। रांची जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में 1500 मीटर में रजत और 800 मीटर में कांस्य पदक हासिल किया। नई दिल्ली के राष्ट्रीय स्तरा खेलों और पुणे के खेलों इंडिया यूथ गेम्स में 800 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2022 में खेलों इंडिया यूथ वीरसिटी गेम्स में 800 मीटर का रजत और 2023 में ओल इंडिया रमचे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 800 व 1500 मीटर में स्वर्ण पदक हासिल किया। वर्ष 2025 में दक्षिण कोरिया की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर का रजत और 800 मीटर का कांस्य पदक जीता। तैयानवान एथलेटिक्स ओपन में 1500 मीटर का स्वर्ण भी अपने नाम किया। पूजा की उपलब्धि पर सरपंच हेमंत सिंह बैवालपुरिया, कुलदीप सिंह, अजीत सिंह, संदीप कुमार, विजेंद्र सिंह सहित ग्रामिणों ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पूजा ने क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक निसाल कायको की है।